सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

राज्यपाल ने एसओएस बाल ग्राम के बच्चों से किया आत्मीय संवाद, दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

राजभवन नैनीताल 15 जून, 2025

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राजभवन में एसओएस बाल ग्राम, भीमताल के बच्चों से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें और अपने जीवन से समाज व राष्ट्र को प्रेरणा देने वाला उदाहरण बनें।

राज्यपाल ने एसओएस बाल ग्राम के सेवा और समर्पण भरे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था केवल एक आश्रय स्थल नहीं, बल्कि एक सजीव और स्नेहिल परिवार है, जहां बच्चों को शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता का समुचित वातावरण प्रदान किया जाता है।

उन्होंने संस्था के ''फैमिली लाइक केयर'', ''किनशिप केयर'' और ''फॉस्टर केयर'' जैसे मॉडलों को समाज के लिए अनुकरणीय बताते हुए कहा कि यह संगठन न केवल सामाजिक संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत करता है, बल्कि सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि एसओएस बाल ग्राम में शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास पर दिया गया ध्यान सराहनीय है, जो बच्चों को आत्मनिर्भर और राष्ट्र का जिम्मेदार नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि संस्था की यह सोच कि सच्चा परिवार प्रेम और जिम्मेदारी से बनता है, न कि केवल खून के रिश्तों से'' – समाज के लिए एक सशक्त संदेश है।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने बच्चों से कहा कि वे कभी स्वयं को कमतर न समझें। उन्होंने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि कठिनाइयों को पार करके ही व्यक्ति एक चमकता हुआ हीरा बनता है। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में अपनी रुचि और कौशल विकसित करें ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बन सकें।

राज्यपाल ने एसओएस बाल ग्राम भीमताल की 1984 से अब तक की यात्रा और 300 से अधिक बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं, माताओं और नेतृत्व को आश्वस्त किया कि इस प्रकार के सामाजिक प्रयासों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

कार्यक्रम में सहायक निदेशक एसओएस बाल ग्राम, भीमताल आशीष कुमार सिंह, नंदी गोस्वामी, यशोदा सहित एसओएस बाल ग्राम, भीमताल के बच्चे उपस्थित रहे।

..........0..........